

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... भैनिक भास्कर
 दिनांक 28. 11. 2019 पृष्ठ सं... ५ कॉलम ३-५

कैंपस के बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में कार्यक्रम में डॉ. विजय कुमार बोले **जल नीति के कारण कृषि क्षेत्र बना सुदृढ़**

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में संविधान दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कैंपस के बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में डॉ. भीम राव अम्बेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत मुख्य अतिथि व विविक के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज विशिष्ट अतिथि रहे। बेसिक साइंस कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार ने कहा कि डॉ. भीम राव अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। डॉ. अम्बेडकर ने संविधान में कृषि को भी शामिल करने का सराहनीय कार्य किया। उन्होंने बताया बाबा साहब जल नीति के संस्थापक थे जिससे कारण ही कृषि क्षेत्र



एचएयू में मुख्य अतिथि को शॉल व स्मृति चिह्न भेंट करते विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार।

सुदृढ़ हो पाया है। यदि कृषि को प्राथमिकता ना मिलती तो हमारा देश अन्य देशों से बहुत पिछड़ जाता। डॉ. कायत ने कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति लाने के लिए एचएयू, पीएयू लुधियाना, जीबी पंत विवि, पंत नगर और इसके वैज्ञानिकों को विशेष श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि डॉ. अम्बेडकर एक युग पुरुष थे जिन्होंने उच्च शिक्षा और सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन दिया। संविधान के निर्माता के रूप में उन्होंने एक अहम भूमिका निभाई जिसके कारण भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान बन पाया है। कार्यक्रम के विशिष्ट

अतिथि विवि के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज ने संविधान की समानता पर बल देते हुए कहा महापुरुष और शिक्षाविद किसी एक जाति धर्म के नहीं होते बल्कि वे सबका विकास करने के लिए ही पैदा होते हैं। बेसिक साइंस कॉलेज के डीन और डॉ बीआर अम्बेडकर चेयर के प्रभारी डॉ. राजवीर सिंह ने कहा बाबा साहब संस्कृत के विद्वान, अर्थशास्त्री, निर्णायक, कृषि और सिंचाई के प्रबंधकर्ता सामाजिक न्यायकर्ता, सामाजिक-सांस्कृतिक बदलाव लाने वाले, सभी के लिए समानता का भाव रखने वाले एक महान शख्स थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

अमर उजाला

दिनांक 28.11.2019

पृष्ठ सं 6

कॉलम 3-5

आंबेडकर ने देश की विविधता को एकता में बदलने का काम किया : डॉ विजय

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. भीमराव आंबेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज विशिष्ट रहे, जबकि बेसिक साइंस कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर एक व्यक्ति



हिसार। मुख्य अतिथि को शौल व स्मृति चिह्न भेट करते विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार।

हृषि में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम संपन्न

नहीं, बल्कि संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संविधान के माध्यम से

देश की विविधता को एकता में बदलने का कार्य किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज ने भू-संरक्षण, जल संरक्षण के लिए, सकारात्मकता के साथ काम की जरूरत पर बल दिया।

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

पंजाब के सर्वे

दिनांक २४. ११. २०१९.....

पृष्ठ सं..... २.....

कॉलम..... ५-६.....

डा. अम्बेदकर जल नीति के संस्थापक थे, जिससे कृषि क्षेत्र और सुदृढ़ हो पाया है : डा. विजय कायत

हकूमि में मनाया संविधान दिवस

हिसार, 27 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में डा. भीम राव अम्बेदकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति डा. विजय कुमार कायत मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. बी.आर. कम्बोज विशिष्ट अतिथि थे, जबकि बेसिक साइंस कालेज के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डा. विजय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि डा. भीम राव अम्बेदकर अपने आप में एक संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश की विविधता को



मुख्य अतिथि को शाल व सूति चिन्ह भेंट करते विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार। एकता में बदलने का कार्य किया। डा. अम्बेदकर ने संविधान में कृषि को भी शामिल करने का सराहनीय कार्य किया। उन्होंने बताया डा. अम्बेदकर 'जल नीति' के संस्थापक थे, जिससे कृषि क्षेत्र और सुदृढ़ हो पाया है। भारत एक कृषि प्रधान देश है यदि कृषि को प्राथमिकता न मिलती तो हमारा देश अन्य देशों से बहुत पिछड़ जाता। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. बी.आर. कम्बोज ने भू-संरक्षण, जल संरक्षण के लिए सकारात्मकता के साथ काम की जरूरत पर बल

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... नम्बर २१
दिनांक २७. ११. २०१९ पृष्ठ सं... ६ कॉलम ५-८

अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे : प्रो. कायत

हिसार/२७ नवंबर/प्रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के बेसिक साईंस कॉलेज के सभागार में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में डॉ. भीम रौव अम्बेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें 'चौधरी देवी' लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज विशेष अतिथि थे जबकि बेसिक साईंस कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार ने कहा कि डॉ. भीम रौव अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश की विविधता को एकता में बदलने का कार्य किया जो इस देश को महान बनाता है। डॉ. अम्बेडकर ने संविधान में कृषि को भी शामिल करने का सराहनीय कार्य किया। उन्होंने बताया बाबा साहब 'जल



'नीति' के संस्थापक थे जिससे कृषि क्षेत्र और सुइद़ हो पाया है। भारत एक कृषि प्रधान देश है यदि कृषि को प्राधीनिकता ना मिलती तो हमारा देश अन्य देशों से बहुत पिछड़ जाता। डॉ. कायत ने कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति लाने के लिए हक़्क़, पीएम् तुरियाना, जीवं पंत विश्वविद्यालय, पंत नार और इसके वैज्ञानिकों को विशेष श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि डॉ. अम्बेडकर

एक युग पुलव थे जिहोंने उच्च शिक्षा और सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन दिया और सामाजिक बुराइयों, रुढ़िवादियों और छुआँहुत का घोर विरोध किया। संविधान के निर्माता के रूप में उन्होंने एक अहम भूमिका निभाई है जिससे खेती के साथ साथ सिंचाई प्रणाली और मजबूत हो पाई है।

उन्होंने भारतीय संविधान की प्रस्तावना को संविधान के लिए आदर्श बताया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज ने भू-संरक्षण,

जल संरक्षण के लिए सकारात्मकता के साथ काम की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने बताया संविधान की समानता पर बल देते हुए बताया कि महापुरुष और शिक्षिक्षिद्ध किसी एक जाति धर्म के नहीं होते बल्कि वे सबका विकास करने के लिए अवतार के रूप में पैदा होते हैं। उन्होंने बताया कि समानता युक्त समाज की सख्त जरूरत है जिससे हर वर्ग का भला और विकास संभव हो सकता है और इसी विचाराधारा को निरंतर कायम करना ही बाबा साहब को ब्रदाजलि अर्पित करना है। बेसिक साईंस कॉलेज के डॉन और डॉ. बीआर अम्बेडकर ब्रेयर के प्रभारी डॉ. राजवीर सिंह ने कहा बाबा साहब संस्कृत के विद्वान्, अर्थशास्त्री, निर्णायक, कृषि और सिंचाई के प्रबंधनकर्ता सामाजिक न्यायकर्ता, सामाजिक-सांस्कृतिक बदलाव लाने वाला, सभी के लिए समानता का भाव रखने वाले एक महान शख्स थे। जिन्होंने महिलाओं के उत्थान के लिए भी बहुत बड़ा योगदान दिया है। नेहरू पुस्तकालय के अध्यक्ष एवं डॉ. बीआर अम्बेडकर ब्रेयर के सचिव डॉ. बलवान सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....दीनांक जागरण
दिनांक २४. ११. २०१९ पृष्ठ सं १७ कॉलम ६. ७

डा. भीमराव आंबेडकर ने कृषि क्षेत्र को बनाया मजबूत : डा. विजय

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। बैसिक साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डा. भीमराव आंबेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें सिरसा स्थित चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत

मुख्य अतिथि रहे। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. बीआर कंबोज विशिष्ट अतिथि, जबकि बैसिक साइंस कॉलेज के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डा. विजय कुमार ने कहा कि डा. भीमराव आंबेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे। बाबा साहब 'जल नीति' के संस्थापक थे जिससे कृषि क्षेत्र और सुदृढ़ हो पाया है।

लोक संघर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक... 27. 11. 2019

निवाप शीक्षा २०१८

पृष्ठ सं... 3

कॉलम... ५४

डा. अंबेडकर का देश के निर्माण व विकास में महत्वपूर्ण योगदान : डा. कायत

हिसार, 27 नवम्बर (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के वैसिक साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में डा. भीमराव अंबेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें चौधरी देवीलाल

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया संविधान दिवस

विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज विश्वाई अतिथि थे जबकि वैसिक साइंस कॉलेज के अध्यक्षा डॉ. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश की विविधता को एकता में बदलने का कार्य किया



जो इस देश को महान बनाता है। डॉ. अंबेडकर ने संविधान में कृषि को भी शामिल करने का सराहनीय कार्य किया। उन्होंने बताया बाबा साहब 'जल नीति' के संस्थापक थे जिससे कृषि क्षेत्र और सुदृढ़ हो पाया है। भारत एक कृषि प्रधान देश है यदि कृषि को प्राथमिकता ना मिलती तो हमारा देश अन्य देशों से बहुत पिछड़ जाता।

डॉ. कायत ने कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति लाने के लिए हक्कीवि, पीरेश लुधियाना, जीबी पंत विश्वविद्यालय, पंत नगर और इसके वैज्ञानिकों को विशेष श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि डॉ. अंबेडकर एक युग पुरुष थे जिन्होंने उच्च शिक्षा और सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन दिया और सामाजिक बुराइयों, रुद्धिवादिताओं और कुआचुत का घोर विरोध किया। संविधान के

निर्माता के रूप में उन्होंने एक अहम भूमिका निभाई जिसके कारण भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान बन पाया है। उन्होंने बताया संविधानिक व्यवस्था में रिव्यू और लचीलापन बहुत महत्वपूर्ण योगदान रखता है। डॉ. अंबेडकर और श्यामा प्रसाद मुख्यार्जी ने भाखड़ा नगर, बांध की स्थापना में अहम भूमिका निभाई है जिससे खेती के साथ साथ सिंचाई प्रणाली और मजबूत हो पाई है। उन्होंने भारतीय संविधान की प्रस्तावना को संविधान के लिए आदर्श बताया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज ने भू-संरक्षण, जल संरक्षण के लिए सकारात्मकता के साथ काम की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने बताया संविधान की समानता पर बल देते हुए बताया कि महापुरुष और शिक्षाविद्

किसी एक जाति धर्म के नहीं होते बल्कि वे सबका विकास करने के लिए अवतार के रूप में पैदा होते हैं। उन्होंने बताया कि समानता युक्त समाज की सख्त जरूरत है जिससे हर वर्ग का भला और विकास संभव हो सकता है और इसी विचाराधारा को निरंतर कायम करना ही बाबा साहब को अद्वांजलि अपित करना है।

वैसिक साइंस कॉलेज के डॉन और डॉ. बीआर अंबेडकर चेयर के प्रभारी डॉ. राजवीर सिंह ने स्वागत भाषण में कहा बाबा साहब संस्कृत के विद्वान, अर्थशास्त्री, निर्णायक, कृषि और सिंचाई के प्रबंधनकर्ता सामाजिक न्यायकर्ता, सामाजिक संस्कृतिक बदलाव लाने वाला, सभी के लिए समानता का भाव रखने वाले एक महान शिल्पित है। जिन्होंने महिलाओं के उत्थान के लिए भी बहुत बड़ा योगदान दिया है। नेहरू पुस्तकालय के अध्यक्ष एवं डॉ. बी. आर. अंबेडकर चेयर के सचिव डॉ. बलवान सिंह ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी, डीन, डायरेक्टर, मंपदा अधिकारी, अधिकारीगण, शिक्षक, गैरशिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... — पाठ्यक्रम प्रक्रिया
दिनांक 27.11.2019 पृष्ठ सं ३ कॉलम 6.8

अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे

हिसार, 27 नवम्बर (निम)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के बेमिक साइंस कॉलेज के सभागार में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में डॉ. भीम राव अम्बेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति डॉ. विजय कुमार कायत मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बी.आर. कंबोज विशिष्ट अतिथि थे जबकि बेसिक साइंस कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि डॉ. भीम राव अम्बेडकर एक व्यक्ति नहीं अपितु संस्थान थे। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश की विविधता को एकता में बदलने का



कार्य किया जो इस देश को महान बनाता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. बी.आर. कंबोज ने भू-संरक्षण, जल संरक्षण के लिए सकारात्मकता के साथ काम की जरूरत पर बतल दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी, डीन, डायरेक्टर, संपदा अधिकारी, अधिकारीगण, शिक्षक, गैरशिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

सैसरी पल्स

दिनांक 27.11.2019

पृष्ठ सं... 2

कॉलम 1-5

एचएयू में जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान आयोजित

सिटी पाल्स न्यूट, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संविधान दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के वैदिक संइम कॉर्सेज के सम्पादन में आयोजित विषयाएँ इस कार्यक्रम में डॉ. धीम राव अमेडकर का जल संरक्षण और भूमि सुधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन विषयाएँ जिसमें नौराही देवी तलाव विश्वविद्यालय, सिरसा के कुमारपति डॉ. विजय कुमार कवात सुखराम अधिकारी थे। इन दोनों पारा विश्वविद्यालय के राजिनामे डॉ. बीजाहार कौर्सेज विजित अवधि के जलवायन के सम्बन्ध में जल संरक्षण को संरक्षित करने के अधिकृत डॉ. याज्ञवीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

भूमि अधिकारी डॉ. विजय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि डॉ. धीम राव अमेडकर एक व्याकिं नहीं अपेक्षित संस्थान है। उनका इस देश के निर्माण और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश की विधिविधान की एकता में बदलने का कार्य विषय जैसे इस देश को कहान बनाता है। डॉ. अमेडकर ने संविधान में कृषि को भी शामिल करने का सराहनीय कार्य किया।



द्वितीय अंतिम को जल व म्यान बिक्क पर्ट करते विश्वविद्यालय के राजिनामे।

डॉ. कुमार ने कृषि क्षेत्र से हारित करनी सामने के विषय व्यक्ति, पूर्णे लृप्तिवाना, जीवों पर विधायकालय, परं नगर और इसके वैज्ञानिकों को विशेष श्रेय दिया।

उन्होंने वर्तया कि डॉ. अमेडकर एक युग पूर्ण थे जिन्होंने उन्नरिया और सामर्थिक व्याय को प्रोत्साहन दिया और सामाजिक बुराइयों, स्वर्णार्थियों और छुआतुन का

धूर विशेष विषय। संविधान के स्वाक्षर के रूप में उन्होंने एक अद्यम भूमिका निभाई जिसके कारण भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान बन पाया है।

विश्वविद्यालय के राजिनामे द्वा ओं आकृति ने भू-संविधान, जल संवर्धन के लिए प्रबलगमनका योग्य दर्शक और उत्तम विकास का विकास दिया। उन्होंने असाधा प्राकृतिक का योग्यवान पर बन दिया हुआ व्यवसा का विकास और विद्याविद्यु विषयों पर ज्ञान विद्या के नवीं होने वाले के व्यवसा का विकास करने के लिए अवधारणा के रूप में ऐत तोने हैं। उन्होंने बताया कि संवानना पुक शामाजी को महां जलरत है तिसमें ही वर्तमान वर्तमान और विकास प्रबल हो सकता है और इसी विचाराभास का निराकार कार्यम करना ही बाबा साहब को श्रद्धाजली प्राप्ति करना है।

वायिद पहले उन्नेक दोन दो दो और अमेडकर जगत के द्वारा दो गज्जवार दिया न करा वाले पालब पम्बन के निर्मान अवशायकों निर्माणक वृक्ष और विचारी के एवं विचारकना सामाजिक-प्राकृतिक व्यवसा नामी वाले वापों के लिए संवानना का विवर गवान आने पुक महान शिल्पाभिनव व। इस अवसर पर हुआ व्यवसा निर्मान दिया उपायमत थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

~~भूमि~~ जागरण

दिनांक 28 : 11 : 2017

पृष्ठ सं..... 17

कॉलम.....

एचएयू में बाबा साहेब पर दो
दिन लगाई पुस्तक प्रदर्शनी
हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा
कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू
पुस्तकालय में संविधान दिवस के
अवसर पर भारतीय संविधान और
डा. भीमराव आंबेडकर से सम्बंधित
पुस्तकों की दो दिन की पुस्तक
प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
प्रदर्शनी लगाने का मुख्य उद्देश्य
पुस्तकालय के पाठकों को भारतीय
संविधान एवं डॉ. भीमराव आंबेडकर
द्वारा रचित पुस्तकों और उनके बारे
में लिखित पुस्तकों की जानकारी
देना था। पुस्तकालय में आने वाले
विद्यार्थियों व अन्य लोगों ने संविधान
व बाबा साहेब से सम्बंधित पुस्तकों
को पढ़ा और उनसे ज्ञान प्राप्त किया।
इस अवसर पर पुस्तकालय अध्यक्ष
डा. बलवान सिंह ने पुस्तकालय के
सभी अधिकारियों व कर्मचारियों समेत
संविधान की शपथ ली। इस अवसर
पर सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डा.
सीमा परमार, डा. भानु प्रताप व डा.
राजेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे। (जास)

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम १२३५ मासिक, दीर्घभूमि
दिनांक २८. ११. २०१९ पृष्ठ सं ५, ॥ कॉलम ७-८, ।

एचएयू में पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान और डॉ. बीआर अंबेडकर से संबंधित पुस्तकों की दो दिन की पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। पुस्तक प्रदर्शनी आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुस्तकालय के पाठकों के मध्य भारतीय संविधान एवं डॉ. भीम राव अंबेडकर द्वारा रचित पुस्तकों

और उनके बारे में लिखित पुस्तकों की जानकारी प्रदान करना था। नेहरू पुस्तकालय में आने वाले विद्यार्थियों व अन्य लोगों ने संविधान व बाबा साहेब अंबेडकर से संबंधित पुस्तकों को पढ़ा और उनसे ज्ञान प्राप्त किया। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने पुस्तकालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों समेत संविधान की शपथ ली। इस अवसर पर सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. सीमा परमार, डॉ. भानु प्रताप व डॉ. राजेन्द्र कुमार भी उपस्थित थे।

हक्की ने लगी पुस्तक प्रदर्शनी ने बढ़ाया ज्ञान

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान और डॉ. बी.आर. अंबेडकर से सम्बंधित पुस्तकों की दो दिन की पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस पुस्तक प्रदर्शनी को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य पुस्तकालय के पाठकों के मध्य भारतीय संविधान एवं डॉ. भीम राव अंबेडकर द्वारा रचित पुस्तकों की जानकारी प्रदान करना था। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने पुस्तकालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों समेत संविधान की शपथ ली। इस अवसर पर सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. सीमा परमार, डॉ. भानु प्रताप व डॉ. राजेन्द्र कुमार भी उपस्थित थे।